

10.1.23

पत्रावली करीब आधा से केरारप से धारेवन
पर लाने के लिए फेर डर। आधा के अर्ध
मूल दावा बिड्डा मत लिपा है इसलिए इति
प्रार्थना फु से आगे चलते का कोई अर्थिप
नहीं है अतः प्रार्थना फु लारिक दिपा जाता
है। पत्रावली केसल शुभा होय नमक के अर
हो

ब्रह्मचर कलक्टर (फारट ट्रेक)
दौताराभगड़ (सीकर)

पत्रावली के अर्थ
शजीमाभा है
पत्रावली
बिड्डा की जाती है
० ३ ३